नवोदय टाइम्स

दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन में नर्सिंग की भूमिका महत्वपूर्ण

श्यामपुर, 23 मार्च (नवोदय टाइम्स): एम्स के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के तत्वावधान में "नर्सिंग परिप्रेक्ष्य में मधुमेह : शिक्षा, सशक्तिकरण एवं रोगी अधिकारिता" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीएससी ऑनर्स नर्सिंग के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

एम्स ऋषिकेश में मधुमेह विषय पर नर्सिंग कार्यशाला

कॉलेज ऑफ नर्सिंग में सोमवार को कार्यशाला में मुख्य अतिथि एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों के तौर पर संकायाध्यक्ष (अकादमिक) प्रो. सौरभ वार्ष्णेय एवं चिकित्सा अधीक्षक प्रो. सत्य श्री बलिजा शामिल रहे। उन्होंने दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन में नर्सिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. स्मृति अरोड़ा के मार्गदर्शन में कार्यशाला में आयोजन सचिव के तौर पर श्री मनीष शर्मा, सहायक प्राध्यापक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यशाला में बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बताया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के मधु प्रबंधन, रोगी शिक्षा एवं देखभाल से संबंधित ज्ञान कौशल को सुदृढ़ करना रहा।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को मधुमेह बीमारी से संबं विस्तृत जानकारियां दी गई, साथ ग्लाइसेमिक नियंत्रण की निगरानी, उप पद्धतियां सुरक्षित इंसुलिन प्रशासन जटिलताओं के प्रबंधन जैसे विषयों विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए साथ ही, प्रतिभागियों के लिए इंसुलिन प्रशासन डायबिटिक फुट केयर पर प्रायोगिक सत्रों का आयोजन किया गया।कार्यशाला के अंतर्गत प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टे के माध्यम से प्रतिभागियों के ज्ञान में उल्लेखनीय सुधार दे गया। कार्यशाला में मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉक्टर अनं कंसल ने भी शिरकत की। समापन पर आयो वेलिडिक्टरी सत्र में सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों प्रयासों की सराहना की गई।

प्रधान टाइम्स

दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन में नर्सिंग की महत्वपूर्ण भूमिका

एम्स ऋषिकेश में मधुमेह विषय पर नर्सिंग कार्यशाला का आयोजन

राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के तत्वावधान में नर्सिंग परिप्रेक्ष्य में मधुमेह- शिक्षा, सशक्तिकरण एवं रोगी अधिकारिता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एससी ऑनर्स नर्सिंग के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया सोमवार को कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि एम्स, ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथियों के तौर पर संकायाध्यक्ष अकादमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय एवं चिकित्सा अधीक्षक प्रो. सत्य श्री बलिजा शामिल रहे। उन्होंने अपने संबोधन में दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन में नर्सिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य डॉ. स्मृति अरोड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में आयोजन सचिव के तौर पर श्री मनीष शर्मा, सहायक प्राध्यापक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कार्यशाला में बी.एससी. ऑनर्स नर्सिंग द्वितीय वर्ष के

एवं देखभाल से संबंधित ज्ञान और कौशल को सुदृढ़ करना रहा कार्यशाला में विद्यार्थियों को मधुमेह बीमारी से संबंधित विस्तृत जानकारियां दी गई, साथ ही ग्लाइसेमिक नियंत्रण की निगरानी, उपचार पद्धतियां, सुरक्षित इंसुलिन प्रशासन एवं जटिलताओं के प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए साथ ही, अंतर्गत प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट के माध्यम से प्रतिभागियों के ज्ञान में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। कार्यशाला में मुख्य नर्सिंग अधिकारी डॉक्टर अनीता कंसल ने भी शिरकत की कार्यक्रम का समापन पर आयोजित वेलिडिक्टरी सत्र में सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रयासों की सराहना की गई।